जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 173
दिनांक 16.10.2019

अनुसंधान तभी सार्थक जब किसान तकनीक को सीखें और अपनायें

जनेकृविवि में तीन दिनी राष्ट्रीय किसान मेला सम्पन्न : उत्कृष्ट नवाचारी कृषक, कृषि वैज्ञानिक, स्टाल और कृषि विज्ञान केन्द्र हुए सम्मानित

जबलपुर, 16 अक्टूबर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित जवाहर क्रीड़ांगन में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान मेला कृषि उदय 2019 का आज सोल्लास समापन हो गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक श्री अशोक रोहाणी ने किसानों का आव्हान किया कि कृषि की उन्नति और नवीन तकनीक के लिये किये गए अनुसंधान तभी सार्थक होंगे जब हमारे किसान भाई तकनीक को सीखकर अपनायेंगे और खेती को कम लागत के साथ–साथ लाभ का धंधा बनायेंगे। श्री रोहाणी ने मेले की तारीफ करते हुये कहा 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महान संकल्प को यह भव्य किसान मेला पूर्णतः साकार कर रहा है। सचमुच यह बहुत बड़ा आयोजन है इसके सफल और कुशल आयोजन हेतु कुलपति डॉ. बिसेन और उनकी टीम को बधाईयां।

इस दौरान अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कहा कि उन्नत तकनीक से कृषि के क्षेत्र में जबरदस्त तरक्की हुई है, किन्तु बदलते मौसम और जलवायु के अनुरूप अनुसंधान की बड़ी चुनौति आज हम वैज्ञानिकों के समक्ष उपस्थित है। वैज्ञानिकों को ऐसी किस्में इजाद करना होंगी जिससे विपरीत मौसम में भी फसलों को कम से कम नुकसान हो और किसान की फसल सुरक्षित रहे। कुलपति डॉ. बिसेन ने कहा आज युवाओं को खेती की तरफ मोड़ना और आकर्षित करना बहुत जरूरी है अन्यथा गांव से युवाओं का पलायन रोकना मुश्किल होगा।

पूर्व में किसान मेले की संयोजक व संचालक विस्तार सेवायें डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने स्वागत भाषण और मेला प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये कहा कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, जनेकृविवि, इंदिरा गांधी कृविवि रायपुर छग एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृविवि ग्वालियर के कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ ही केन्द्र और राज्य के कृषि संस्थानों द्वारा 100 से भी अधिक स्टाल लगाये गए। जिसमें कृषि के विभिन्न आयामों को शिद्दत से प्रदर्शती किया गया। इसमें गत 3 दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों के हजारों किसानों और आमजन ने हिस्सा लेकर लाभ उठाया और कृषि तकनीक की प्रशंसा की। उम्मीद से कहीं बढ़कर मेला पूर्णतः सफल रहा।

इस मौके पर प्रमंडल सदस्य श्री ओम ठाकुर, वेटनरी कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डॉ. एस.डी. उपाध्याय, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. आर.के. नेमा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. आर.एम. साहू, संयुक्त संचालक डॉ. दिनकर शर्मा आदि मंचासीन रहे। कुलपति डॉ. बिसेन ने शाल, श्रीफल और विवि के प्रतीक चिन्ह से अतिथियों का स्वागत किया। यहां कृषि साहित्य का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर उत्कृष्ट नवाचारी कृषक, कृषि वैज्ञानिक, स्टाल और कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रमाण–पत्र प्रदान कर अलंकृत किया गया। यहां कृषि वैज्ञानिक और विषय वस्तु विशेषज्ञों ने कृषि संगोष्ठी में किसानों की समस्याओं का निराकरण किया और कृषि की नवीन तथा उन्नत तकनीक की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दिनकर शर्मा ने किया।

–000–